शास. कमलाराजा कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)

एम.ए. प्रथम सेमेस्टर 2018–19

प्रथम प्रश्न–पत्र – सैद्धान्तिक (कंठ/वादन)

101– संगीत के सामान्य एवं व्यवहारिक सिद्धान्त

स्नातकोत्तर स्तर पर सेमेस्टर पद्धति के अंतर्गत संगीत विषय के अध्ययन मंडल द्वारा अनुशंसित तथा अकादमिक परिषद् द्वारा अनुमोदित।

सत्र 2017–18 से प्रभावशील

पूर्णांक–85
आ.मू.–15

इकाई –1

निम्नलिखित रागों का विवेचनात्मक अध्ययन –

श्याम कल्याण, अहीर भैरव, शुद्ध सारंग, रागेश्री, बागेश्री, गुर्जरी तोड़ी।

इकाई –2

अ– निम्नलिखित तालों के ठेके ठाह, दुगुन, चौगुन एवं आड़, कुआड़, विआड़ लय में लिखना एकताल, त्रिताल, आड़ा–चौताल

ब– हारमनी – मैलॉडी का अध्ययन।

इकाई –3

अ– प्रायोगिक पाठ्यक्रम के रागों में विलम्बित एवं मध्यलय की बंदिशों की स्वरलिपि लेखन का अभ्यास–आलाप एवं तानों/तोड़ों सहित

ब– संगीत के सप्तक का विकास

इकाई –4

अ– राग– परिभाषा, जाति एवं प्रकार।

ब– राग वर्गीकरण– दशविधि राग वर्गीकरण एवं राग– रागिनी वर्गीकरण।

इकाई –5

अ– रस की परिभाषाएं, रस प्रकार, स्वर एवं रस का पारस्परिक संबंध।

ब– सौन्दर्य शास्त्र– रस एवं सौन्दर्य का पारस्परिक सम्बन्ध

Scanned with Oken Scanner

शास. कमलाराजा कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)

एम.ए. प्रथम सेमेस्टर 2017–18

द्वितीय प्रश्न–पत्र – सैद्धान्तिक (कंठ/वादन)

102 – भारतीय संगीत का इतिहास

स्नातकोत्तर स्तर पर सेमेस्टर पद्धति के अंतर्गत संगीत विषय के अध्ययन मंडल द्वारा अनुशंसित तथा अकादमिक परिषद् द्वारा अनुमोदित।

सत्र 2017–18 से प्रभावशील

पूर्णांक–85
आ.मू.–15

इकाई – 1

संगीत का उद्‌गम – भारतीय एवं पाश्चात्य मतानुसार।

इकाई – 2

भारतीय संगीत का इतिहास–वैदिक कालीन संगीत, सामवेद में संगीत।

इकाई –3

पौराणिक एवं महाकाव्य कालीन संगीत – (रामायण, महाभारत कालीन संगीत)

इकाई –4

जैन एवं बौद्ध कालीन संगीत, मौर्य एवं गुप्तकालीन संगीत।

इकाई –5

भरत कृत नाट्यशास्त्र एवं शारंगदेव कृत संगीत रत्नाकर के स्वर, श्रुति, सारणा प्रकरण का अध्ययन

Scanned with Oken Scanner

शास. कमलाराजा कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)

एम.ए. प्रथम सेमेस्टर 2017–18

तृतीय प्रश्न–पत्र – प्रायोगिक (कंठ/वादन)

103– राग गायन

स्नातकोत्तर स्तर पर सेमेस्टर पद्धति के अंतर्गत संगीत विषय के अध्ययन मंडल द्वारा अनुशंसित तथा अकादमिक परिषद् द्वारा अनुमोदित।

सत्र 2017–18 से प्रभावशील

पूर्णांक–100

इकाई – 1

विस्तृत अध्ययन के राग –

- श्याम कल्याण
- शुद्ध सारंग
- अहीर भैरव
- रागे श्री
- बागे श्री
- गुर्जरी तोड़ी

इकाई – 2

सामान्य अध्ययन के राग –

- परमेश्वरी
- मारवा
- सोहनी
- मधमाद सारंग
- मेघ मल्हार
- बैरांगी भैरव

उपरोक्त विस्तृत अध्ययन के रागों में से दो रागों में विलम्बित रचनाएं एवं सभी रागों में द्रुत रचनाएं।

सामान्य अध्ययन के किन्हीं चार रागों में द्रुत रचनाएं।

Scanned with Oken Scanner

शास. कमलाराजा कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)

एम.ए. प्रथम सेमेस्टर 2017–18

चतुर्थ प्रश्न–पत्र – प्रायोगिक (कंठ/वादन)

104 – मंच प्रदर्शन

स्नातकोत्तर स्तर पर सेमेस्टर पद्धति के अंतर्गत संगीत विषय के अध्ययन मंडल द्वारा अनुशंसित तथा अकादमिक परिषद् द्वारा अनुमोदित।

सत्र 2017–18 से प्रभावशील

पूर्णांक -100

अ. प्रायोगिक प्रथम प्रश्न–पत्र हेतु निर्धारित विस्तृत अध्ययन के रागों में से परीक्षक द्वारा चयनित किसी एक राग में विलम्बित एवं द्रुत रचना प्रस्तुत करनी होगी।

ब. प्रायोगिक प्रथम प्रश्न–पत्र हेतु निर्धारित सामान्य अध्ययन के रागों में से परीक्षक द्वारा चयनित किसी एक राग में द्रुत रचना प्रस्तुत करनी होगी।

स. निम्नलिखित रागों में से एक ध्रुवपद, एक धमार, दो तराने एवं एक ठुमरी अथवा दादरा लयकारियों एवं उपज के साथ एवं वादन हेतु त्रिताल के अतिरिक्त अन्य ताल में कोई भी दो रचनाएं एवं एक धुन।

बिहाग, बागेश्री, मालकौंस, कामोद, केदार, खमाज, पीलू, काफी।
शास्त्रीय संगीत के रागों पर आधारित फिल्मी गीत अथवा धुन।

Scanned with Oken Scanner

शास. कमलाराजा कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)

एम.ए. द्वितीय सेमेस्टर 2018–19

प्रथम प्रश्न–पत्र – सैद्धांतिक (कंठ/वादन)

201– संगीत के सामान्य एवं व्यवहारिक सिद्धांत

स्नातकोत्तर स्तर पर सेमेस्टर पद्धति के अंतर्गत संगीत विषय के अध्ययन मंडल द्वारा अनुशंसित तथा अकादमिक परिषद् द्वारा अनुमोदित।

सत्र 2017–18 से प्रभावशील

पूर्णांक–85
आ.मू.–15

इकाई –1

निम्नलिखित रागों का विवेचनात्मक अध्ययन –
देवगिरि बिलावल, यमनी बिलावल, मारू बिहाग, नायकी कान्हड़ा, झिंझोटी, मुल्तानी।

इकाई –2

पाठ्यक्रम के रागों की विलम्बित एवं द्रुत बंदिशों की स्वरलिपि लेखन का अभ्यास। आलाप, तान–तोड़ों सहित।

इकाई –3

निम्नांकित का अध्ययन –
मेजर टोन, माइनर टोन, सेमीटोन, डायटोनिक स्केल, क्रोमेटिक स्केल, समविभागीय स्वर सप्तक।

इकाई –4

राग वर्गीकरण– थाट राग, राग–रागांग वर्गीकरण।

इकाई –5

अ– गायन हेतु– दिये गये पदों को उचित राग एवं ताल में निबद्ध करना।

ब– वादन हेतु– मिजराब के बोलों के आधार पर त्रिताल के अतिरिक्त किसी अन्य ताल में गत रचना।

स– निम्नलिखित तालों के ठेके– ठाह तिगुन, छह गुन के साथ आड, कुआड, बिआड में लिखना। चौताल, तिलवाडा, दीपचन्दी।

Scanned with Oken Scanner

महाविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)

एम.ए. द्वितीय सेमेस्टर 2018–19

द्वितीय प्रश्न–पत्र – सैद्धांतिक (कंठ/वादन)

202– भारतीय संगीत का इतिहास

स्नातकोत्तर स्तर पर सेमेस्टर पद्धति के अंतर्गत संगीत विषय के अध्ययन मंडल द्वारा अनुशंसित तथा अकादमिक परिषद् द्वारा अनुमोदित।

सत्र 2017–18 से प्रभावशील

पूर्णांक–85

इकाई –1

खण्डमेरू, स्वर प्रस्तार, नश्टोदिष्ट प्रकरण (शारंगदेव कृत संगीत रत्नाकर के संदर्भ में)

इकाई –2

अ– भारतीय संगीत के मध्यकाल का इतिहास–मानसिंह कालीन संगीत

ब– मुगलकालीन संगीत।

इकाई –3

संगीत के घरानों की ऐतिहासिक जानकारी एवं निम्न घरानों का विशेष अध्ययन– ग्वालियर, किराना, जयपुर, आगरा, सेनिया, इमदाद खाँ घराना।

इकाई –4

आधुनिक कालीन संगीत – पं. भातखण्डे, पं. पलुस्कर का योगदान

इकाई –5

निम्नलिखित विषयों पर लगभग 400 शब्दों का निबन्ध लेखन–

1. भारतीय संगीत में गुरू शिष्य परम्परा।
2. शास्त्रीय संगीत की मंचीय प्रस्तुति का क्रम।
3. संगीत एवं चिकित्सा का सम्बन्ध।
4. राग एवं समय सिद्धांत का मनोवैज्ञानिक प्रभाव।
5. महाविद्यालयीन शिक्षा का प्रारंभ एवं भविष्य

Scanned with Oken Scanner

शास. कमलाराजा कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी
महाविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)

एम.ए. द्वितीय सेमेस्टर 2017-18

तृतीय प्रश्न-पत्र – प्रायोगिक (कंठ/वादन)

203 – राग गायन

स्नातकोत्तर स्तर पर सेमेस्टर पद्धति के अंतर्गत संगीत विषय के अध्ययन मंडल द्वारा अनुशंसित तथा अकादमिक परिषद् द्वारा अनुमोदित।

सत्र 2017-18 से प्रभावशील

पूर्णांक 100

इकाई – 1

विस्तृत अध्ययन के राग –

- देवगिरी बिलावल
- यमनी बिलावल
- मारू बिहाग
- नायकी कान्हड़ा
- सूर मल्हार
- झिंझोटी

इकाई – 2

सामान्य अध्ययन के राग –

- सूहा
- सुघराई
- सहाना
- देस
- संरस्वती
- कलावती

विस्तृत अध्ययन के रागों में से दो रागों में विलम्बित रचनाएं तथा चार रागों में द्रुत रचनाएं एवं सामान्य अध्ययन के रागों में कोई चार द्रुत रचनाएं।

Scanned with Oken Scanner

शास. कमलाराजा कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)

एम.ए. द्वितीय सेमेस्टर 2017–18

चतुर्थ प्रश्न–पत्र – प्रायोगिक (कंठ/वादन)

204 – मंच प्रदर्शन

स्नातकोत्तर स्तर पर सेमेस्टर पद्धति के अंतर्गत संगीत विषय के अध्ययन मंडल द्वारा अनुशंसित तथा अकादमिक परिषद् द्वारा अनुमोदित।

सत्र 2017–18 से प्रभावशील

पूर्णांक 100

अ. प्रायोगिक प्रथम प्रश्न–पत्र हेतु निर्धारित विस्तृत अध्ययन के रागों में से परीक्षक द्वारा चयनित किसी एक राग में विलम्बित एवं द्रुत रचना प्रस्तुत करनी होगी।

ब. प्रायोगिक प्रथम प्रश्न–पत्र हेतु निर्धारित सामान्य अध्ययन के रागों में से परीक्षक द्वारा चयनित किसी एक राग में द्रुत रचना प्रस्तुत करनी होगी।

स. निम्नलिखित रागों में से एक ध्रुवपद, एक धमार, दो ख्याल एवं एक ठुमरी अथवा दादरा अथवा टप्पा–उपज के साथ एवं वादन हेतु किसी के भी कोई भी दो रचनाएं एवं एक धुन।

यमन, जौनपुरी, दरबारी कान्हाड़ा, मुल्तानी, पहाड़ी, शिवरंजनी, अड़ाणा, मालकौंस। शास्त्रीय संगीत के रागों पर आधारित फिल्मी गीत अथवा धुन।

महाविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)

एम.ए. तृतीय सेमेस्टर 2018–19

प्रथम प्रश्न–पत्र – सैद्धांतिक (कंठ/वादन)

301– व्यवहारिक एवं क्रियात्मक संगीत शास्त्र

स्नातकोत्तर स्तर पर सेमेस्टर पद्धति के अंतर्गत संगीत विषय के अध्ययन मंडल द्वारा अनुशंसित तथा अकादमिक परिषद् द्वारा अनुमोदित।

सत्र 2017–18 से प्रभावशील

पूर्णांक–85

इकाई – 1

निम्नलिखित रागों का विवेचनात्मक अध्ययन –
आभोगी कान्हाड़ा, कौसी कान्हाड़ा, बिलासखानी तोड़ी, जोगिया, देसी, गोरख कल्याण।

इकाई – 2

प्रायोगिक पाठ्यक्रम के रागों को विलम्बित एवं मध्यलय की बंदिशों की स्वरलिपि लेखन का अभ्यास आलाप एवं तानों/तोड़ों सहित।

इकाई –3

अ– निम्नलिखित तालों के ठेके – ठाह, आड, कुआड, बिआड लय में लिखना। रूपक, चौताल, पंचम सवारी। (कोई एक)

ब– हिन्दुस्तानी एवं पाश्चात्य नोटेशन पद्धतियों का अध्ययन।

इकाई –4

निबद्ध एवं अनिबद्ध गान–गायन, वादन की विभिन्न गीत शैलियों का अध्ययन

इकाई –5

अ– हिन्दुस्तानी संगीत पद्धति के चालीस सिद्धान्त (भातखण्डे जी की पद्धति अनुसार)।

ब– पं. भीमसेन जोशी, किशोरी अमोनकर, आचार्य वृहस्पति, रविशंकर, विलायत खाँ का जीवन परिचय एवं सांगितिक योगदान।

Scanned with Oken Scanner

शास. कमलाराजा कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)

एम.ए. उत्तरार्द्ध तृतीय सेमेस्टर 2018–19

द्वितीय प्रश्न–पत्र – सैद्धांतिक (कंठ/वादन)

302 – ध्वनि शास्त्र एवं रचना तथा निबंध

स्नातकोत्तर स्तर पर सेमेस्टर पद्धति के अंतर्गत संगीत विषय के अध्ययन मंडल द्वारा अनुशंसित तथा अकादमिक परिषद् द्वारा अनुमोदित।

सत्र 2017–18 से प्रभावशील

पूर्णांक–85

इकाई –1

1.1 मार्गी और देशी संगीत का अध्ययन

1.2 कंठ स्वर संस्थान की जानकारी एवं कंठ संस्कार।

इकाई –2

भारतीय वाद्यों का वर्गीकरण। प्राचीन, मध्यकालीन, आधुनिक मतानुसार।

इकाई –3

हिन्दुस्तानी एवं कर्नाटकी संगीत पद्धतियों के प्रकारों का तुलनात्मक अध्ययन।

(1) राग एवं थाट (2) गायन शैलियाँ

इकाई –4

गीत रचना के सिद्धान्त एवं दिये गये पदों को उपयुक्त राग एवं ताल में निबद्ध करना।

वादन हेतु – बोलों के आधार पर त्रिताल के किसी अन्य ताल में गत रचना।

इकाई –5

संगीत से सम्बन्धित निम्न विषयों में से एक विषय पर लगभग 400 शब्दों का निबंध लेखन।

लोक संगीत, भारतीय शास्त्रीय संगीत का भविष्य तथा लोकप्रियता, वाद्य वृंद, संगीत एवं योग, दूरस्थ संगीत शिक्षण पद्धति की उपयोगिता, शास्त्रीय संगीत में इलैक्ट्रॉनिक वाद्य यंत्रों का उपयोग एवं उपादेयता।

Scanned with Oken Scanner

शास. कमलाराजा कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी
महाविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)

एम.ए. उत्तरार्द्ध तृतीय सेमेस्टर 2017-18

तृतीय प्रश्न–पत्र – प्रायोगिक (कंठ/वादन)

303– राग गायन

स्नातकोत्तर स्तर पर सेमेस्टर पद्धति के अंतर्गत संगीत विषय के अध्ययन मंडल द्वारा अनुशंसित तथा अकादमिक परिषद् द्वारा अनुमोदित।

सत्र 2017–18 से प्रभावशील

पूर्णांक 100

इकाई – 1

विस्तृत अध्ययन के राग –

- आभोगी कान्हड़ा
- कौंसी कान्हड़ा
- बिलासखानी तोड़ी
- जोगिया
- देसी
- गोरख कल्याण

इकाई – 2

सामान्य अध्ययन के राग –

- हंस ध्वनि
- जोग
- वसंतमुखारी
- हिंडोल
- भूपाल तोडी
- कोमलरिषभ आसावरी

उपरोक्त विस्तृत अध्ययन के रागों में से 2 रागों में विलम्बित ख्याल एवं सभी में द्रुत रचनाएं। सामान्य अध्ययन के रागों में सभी में द्रुत रचनाएं।

Scanned with Oken Scanner

शास. कमलाराजा कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)

एम.ए. तृतीय सेमेस्टर 2017-18

<u>चतुर्थ प्रश्न–पत्र</u> – प्रायोगिक (कंठ/वादन)

304 – मंच प्रदर्शन

स्नातकोत्तर स्तर पर सेमेस्टर पद्धति के अंतर्गत संगीत विषय के अध्ययन मंडल द्वारा अनुशंसित तथा अकादमिक परिषद् द्वारा अनुमोदित।

सत्र 2017–18 से प्रभावशील

पूर्णांक 100

अ. प्रायोगिक प्रथम प्रश्न–पत्र हेतु निर्धारित विस्तृत अध्ययन के रागों में से परीक्षक द्वारा चयनित किसी एक राग में विलम्बित एवं द्रुत रचना प्रस्तुत करनी होगी।

ब. प्रायोगिक प्रथम प्रश्न–पत्र हेतु निर्धारित सामान्य अध्ययन के रागों में से परीक्षक द्वारा चयनित किसी एक राग में द्रुत रचना प्रस्तुत करनी होगी।

स. निम्नलिखित रागों में से एक ध्रुवपद, एक धमार, दो तराने एवं एक ठुमरी अथवा दादरा–अथवा लयकारियों एवं उपज के साथ एक वादन तीन ताल के अतिरिक्त अन्य ताल में कोई भी दो रचनाएं एवं एक धुन।

भूपाली, मियाँ मल्हार, पूरियाधनाश्री; वृंदावनी सारंग, देश, बिलावल, पीलू, काफी। शास्त्रीय संगीत के रागों पर आधारित फिल्मी गीत अथवा धुन।

शास. कमलाराजा कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)

एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर 2018–19

प्रथम प्रश्न–पत्र – सैद्धांतिक (कंठ/वादन)

401– व्यवहारिक एवं क्रियात्मक संगीत शास्त्र

स्नातकोत्तर स्तर पर सेमेस्टर पद्धति के अंतर्गत संगीत विषय के अध्ययन मंडल द्वारा अनुशंसित तथा अकादमिक परिषद् द्वारा अनुमोदित।

सत्र 2017–18 से प्रभावशील

पूर्णांक–85

इकाई – 1

निम्नलिखित रागों का विवेचनात्मक अध्ययन–

विभास, मधुवंती, पूरियाकल्याण, चन्द्रकौंस, भटियार, जोगकौंस

इकाई – 2

प्रायोगिक पाठ्यक्रम के रागों की विलम्बित एवं मध्यलय की बंदिशों की स्वरलिपि लेखन का अभ्यास आलाप एवं तानों/तोड़ों सहित।

इकाई –3

अ– दक्षिणी एवं उत्तर भारतीय ताल पद्धतियों की तुलना जाति भेद सहित।

ब– प्रचलित उत्तर भारतीय प्रमुख तालों को कर्नाटकी ताल पद्धति के अनुसार लिखना।

इकाई –4

(1) पाश्चात्य संगीत, (2) सुगम संगीत की स्वरलिपि का अध्ययन एवं अष्टछाप संगीत का अध्ययन

निम्न रागांगों का विशेष अध्ययन– कल्याण, भैरव, सारंग अंग

इकाई –5

अ– निम्नलिखित तालों के ठेके– ठाह, आड, कुआड, बिआड लय में लिखना। झपताल, धमार, तिलवाडा।

ब– दिये गये पद को उचित ताल एवं राग में निबद्ध करना।

वादन हेतु– बोलों के आधार पर त्रिताल के अतिरिक्त किसी अन्य ताल में गत रचना।

Scanned with Oken Scanner

शास. कमलाराजा कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)

एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर 2018–19

द्वितीय प्रश्न–पत्र – सैद्धांतिक (कंठ/वादन)

402 – ध्वनि शास्त्र एवं रचना तथा निबंध

स्नातकोत्तर स्तर पर सेमेस्टर पद्धति के अंतर्गत संगीत विषय के अध्ययन मंडल द्वारा अनुशंसित तथा अकादमिक परिषद् द्वारा अनुमोदित।

सत्र 2017–18 से प्रभावशील

पूर्णांक–85

इकाई – 1

(1) नाद– प्रकार एवं विशेषताएँ

(2) स्वयंभू नाद (3) कर्ण की बनावट एवं श्रवण सिद्धांत।

इकाई – 2

ध्वनि विज्ञान– अनुरंजन, परावर्तन, आवर्तक, विवर्तन, अनुनाद, प्रतिध्वनि, दोलन एवं वहन, ध्वनि वेग तथा ध्वनि सम्बन्धित ज्ञान।

इकाई –3

(1) निम्न रागांगों का विशेष अध्ययन– मल्हार, कान्हाड़ा एवं तोड़ी।

(2) पं. अहोबल एवं व्यकंटमखी के ग्रंथों का अध्ययन।

इकाई –4

दिये गये पद एवं सितार के बोलों के आधार पर स्वर रचना का अभ्यास।

इकाई –5

संगीत से सम्बन्धित निम्न विषयों में से एक विषय पर लगभग 400 शब्दों का निबंध लेखन।

संगीत एवं रस, महाविद्यालयीन संगीत शिक्षा भविष्य एवं नवाचार की संभावनाएं, रवीन्द्र संगीत, महाराष्ट्र की कीर्तन परम्परा।

संगीत में शोध प्रविधि – परिभाषा, स्वरूप एवं संक्षिप्त परिचय।

Scanned with Oken Scanner

शास. कमलाराजा कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)

एम.ए. उत्तरार्द्ध चतुर्थ सेमेस्टर 2016–17

तृतीय प्रश्न–पत्र – प्रायोगिक (कंठ/वादन)

403– राग गायन

स्नातकोत्तर स्तर पर सेमेस्टर पद्धति के अंतर्गत संगीत विषय के अध्ययन मंडल द्वारा अनुशंसित तथा अकादमिक परिषद् द्वारा अनुमोदित।

सत्र 2016–17 से प्रभावशील

इकाई – 1 पूर्णांक–100

विस्तृत अध्ययन के राग (कोई चार) –

- विभास
- मधुवंती
- पूरिया कल्याण
- चन्द्रकौंस
- भटियार
- जोगकौंस

इकाई – 2

सामान्य अध्ययन के राग –

- पूरिया
- धनाश्री
- नटभैरव
- श्री
- मियाँ की सारंग
- रामदासी मल्हार

उपरोक्त विस्तृत अध्ययन के रागों में से 2 रागों में विलम्बित रचनाएं एवं सभी रागों में द्रुत रचनाएं।

सामान्य अध्ययन के रागों में कोई 4 द्रुत रचनाएं।

शा.स. कमलाराजा कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)

एम.ए. संगीत चतुर्थ सेमेस्टर 2016–17

चतुर्थ प्रश्न–पत्र – प्रायोगिक (कंठ/वादन)

404 – मंच प्रदर्शन

पूर्णांक–100

अ प्रायोगिक प्रथम प्रश्न–पत्र हेतु निर्धारित विस्तृत अध्ययन के रागों में से परीक्षक द्वारा चयनित किसी एक राग में विलम्बित एवं द्रुत रचना प्रस्तुत करनी होगी।

ब. प्रायोगिक प्रथम प्रश्न–पत्र हेतु निर्धारित सामान्य अध्ययन के रागों में से परीक्षक द्वारा चयनित किसी एक राग में द्रुत रचना प्रस्तुत करनी होगी।

स. निम्नलिखित रागों में से एक ध्रुवपद, एक धमार, दो तराने एवं एक ठुमरी अथवा दादरा–अथवा लयकारियों एवं उपज के साथ एवं वादन हेतु त्रिताल के अतिरिक्त अन्य ताल में कोई भी दो रचनाएं एवं एक धुन।

देशकार, शंकरा, तिलक कामोद, भैरव, छायानट

शास्त्रीय संगीत के रागों पर आधारित फिल्मी गीत अथवा धुन।

Scanned with Oken Scanner

शास. कमलाराजा कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)

सर्टिफिकेट कोर्स

सुगम संगीत (गायन)

पूर्णांक 200

1. प्रारंभिक 10 अलंकार (कल्याण, बिलावल थाट) 25

2. कोई 2 गीत (महादेवी, निराला, हरिवंशराय बच्चन, अटलबिहारी वाजपेयी, सुमित्रानंदन पंत, नीरज) अथवा 25
   कोई 2 ग़ज़ल (बहादुरशाह ज़फ़र, मिर्ज़ा ग़ालिब, फ़ैज़ अहमद फ़ैज़,
   कोई 2 भजन (मीरा, कबीर, सूर, तुलसी)

3. ताल परिचय – दादरा, कहरवा, रूपक, त्रिताल एवं ताली देना 25

4. संगीत शास्त्र – संगीत की उत्पत्ति, शास्त्रीय एवं सुगम संगीत का तुलनात्मक अध्ययन। 25

5. परियोजना कार्य –किन्हीं दो गीतों का संगीत संयोजन 100

   स्वरलिपि सहित

शास. कमलाराजा कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)

प्रदर्शनात्मक कला **अवधि - एक माह**

सर्टिफिकेट कोर्स

हारमोनियम, की बोर्ड

पूर्णांक–200

1. अपने वाद्य की जानकारी	25
2. वाद्य पर प्रारंभिक 10 अलंकारों को बजाना	25
3. ताल–दादरा, कहरवा, त्रिताल, हाथ पर ताली लगाना	25
4. राष्ट्रीय गीत अथवा वंदेमातरम् का वादन	25
5. परियोजना कार्य– किन्हीं दो गीतों की स्वरलिपि बनाना	100

Scanned with Oken Scanner

शास. कमलाराजा कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)

सर्टिफिकेट कोर्स

कत्थक (नृत्य)

	पूर्णांक 200
1. कत्थक का प्रारंभिक ज्ञान – मुद्रा, हस्तक आदि	25
2. तालों का परिचय दादरा, त्रिताल, एकताल, कहरवा	25
3. तत्तकार दुगुन सहित (तीन ताल में)	25
4. लोक नृत्य कोई एक	25
5. परियोजना कार्य–किन्हीं दो महान नृत्यकारों का चित्रों सहित जीवन परिचय *अथवा* हस्त मुद्राओं का विवेचन	100

Scanned with Oken Scanner